aglasem.com

FOR RAJASTHAN CLASS 12 PREPARATION

Rajasthan Board 12th Model Paper 2027 Philosophy

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Rajasthan Class 12	2027	Sample Paper	Philosophy

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

प्रस्तावित प्रश्न–पत्र प्रारूप (**Design)** सत्र 2026–2027

(उच्च माध्यमिक स्तर के विषयों के लिए)

कक्षा – 12 विषय :– दर्शन शास्त्र समय : 3:15 घण्टे पूर्णांक–80

1. उद्देश्य हेतु अंक भार –

योग्यताएं	उद्देश्य	अंक भार	प्रतिशत
Awareness जागरूकता	ज्ञान (Knowledge)	14	17.50
	निर्माणात्मक समझ (Understanding of the Construct)	13	16.25
	प्रक्रिया की समझ– (Understanding of the Process)	13	16.25
संवेदनशीलता Sensitivity	संघर्ष समाधान (Conflict Resolution)	7	8.75
	व्यापक / उदार मानसिकता (Open Mindedness)	6	7.50
	सहयोग / योगदान (Collaboration)	7	8.75
सृजनात्मकता Creativity	नवाचारी विचार उत्पन्न करना (Generate Innovative Ideas)	6	7.50
	लचीलापन (Flexibility)	2	2.50
	प्रवाहशीलता (Fluency)	2	2.50
	अन्वेषण (Exploration)	4	5.00
	विचारों एवं अवधारणाओं का मिलान (Combining Ideas & Concepts)	6	7.50
Total		80	100

2 प्रश्नों के प्रकार व अंकभार –

खण्ड.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की	अंक प्रति	कुल अंक	प्रतिशत	करने के
अ	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	16	1	16	20	16
ब	अतिलघूत्तरात्मक	6	2	12	15	12
स	लघूत्तरात्मक	8	3	24	30	24
द	दीर्घोत्तरीय एवं स्रोत / प्रकरण / घटना / चित्र / क्रियाविधि / ग्राफ आधारित प्रश्न आदि	4	4	16	20.0	86
	निबन्धात्मक / मानचित्र आधारित प्रश्न आदि	2	6	12	15.0	42
	योग	36		80	100	180
प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित समय						15
कुल समय						195

नोटः–प्रश्न पत्र निर्माता न्यूनतम दो केस आधारित *(Case Based)* प्रश्न अनिवार्य रूप से देवें

3. प्रश्नों के उद्देश्य के आधार पर भारात्मक अनुपात –

योग्यताएं / क्षमताएं	जागरूकता	संवेदनशीलता	सृजनात्मकता
प्रश्नों की संख्या	18	9	9
प्रतिशत	50	25	25

4. प्रश्नों के काठिन्य स्तर के आधर पर भारात्मक अनुपात –

कठिनाई स्तर	सरल	मध्यम	कठिन
प्रश्नों की संख्या	9	18	9
प्रतिशत	25	50	25

BSER

5. ईकाई एवं अध्यायवार अंकभार –

क्र.सं.	पाठ्यक्रम के अनुसार इकाई एवं अध्याय विवरण	पाठ्यक्रम में निर्धारित अंकभार	प्रतिशत
1	भारतीय दर्शन	8	10
2	औपनिषदिक दर्शन	8	10
3	बौद्ध एवं जैन दर्शन	8	10
4	योग दर्शन एवं वेदान्त दर्शन	8	10
5	पाश्चात्य दर्शन	8	10
6	धर्म की भारतीय अवधारणा	8	10
7	हिन्दू जैन एवं बौद्ध धर्म पंथ	8	10
8	यहूदी ईसाई एवं इस्लाम धर्मपंथ	8	10
9	पारसी सिक्ख एवं ताओं धर्मपंथ	8	10
10	धर्म सहिष्णुता एवं सर्वधमसमभाव	8	10
		8	10
	योग	80	100

BSER

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट 2026–2027

कक्षा – 12 विषय :– दर्शन शास्त्र समय 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक – 80

क्र. सं.	क्षमताएं / उद्देश्य / प्रश्नों के प्रकार	जागरूकता (AWARENESS)												संवेदनशीलता (SENSITIVITY)												रचनात्मकता (CREATIVITY)																				अंकों का योग
		ज्ञान				निर्माणात्मक समझ				प्रक्रिया की समझ				संघर्ष समाधान				व्यापक उदार				सहयोग				नवीन विचार				लचीलापन				प्रवाहशीलता				अन्वेषण				अवधारणाओं का संयोजन				
		वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	वस्तुनिष्ठ	अति लघुत्तरिय	लघुत्तरिय	दीर्घ उत्तरीय	
	इकाई / अध्याय																																													
1	भारतीय दर्शन									2(1)		23(3),24(1)		1(1)																																8
2	औपनिषदिक दर्शन			25(1)					33(1)*																				-2						-2				3 (1)			-1			-2		8
3	बौद्ध एवं जैन दर्शन	4(1)		26(1)									32(2)*											-2					-2																8
4	योग दर्शन एवं वेदान्त दर्शन	7(1)					19(2)			6(1)						34(2)*									-2																					8
5	पाश्चात्य दर्शन										18(2)					36(1)*				-3					-1																				1	8
6	धर्म की भारतीय अवधारणा		20(1)			10(1), 11(1	-1			15(1)														27(2)																				-1		8
7	हिन्दू जैन एवं बौद्ध धर्म पंथ	12(1), 13(1)		28(2)*			21(2)							14(1)														-1																	8
8	यहूदी ईसाई एवं इस्लाम धर्मपंथ			30(1)*			22(2)													29(3)																							-2			8
9	पारसी सिक्ख एवं ताओं धर्मपंथ				31(1)*		17(2)			8(1)			-1			-2										9(1)																				8
10	धर्म सहिष्णुता एवं सर्वधमसमभाव	16(1)			35(2)*	5(1)																																						-2	8
	कॉलम के अंको का योग	5	1	5	3	3	9		1	4	2	4	3	2			5			3	3			4	3	1		1	4			2			2		1			3			3	3	8
	उद्देश्यानुसार कुल योग	14				13				13				7				6				7				6				2				2				4				6		80
	कुल योग (क्षमताएं)	40												20												20																			
		प्रश्न पत्र निर्माता का नाम												पद												पद स्थापन																				हस्ताक्षर				

1. (*) आंतरिक विकल्प
2. कोष्ठक के बाहर दी गई संख्या "प्रश्न क्रमांक" है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या "अंक" को दर्शाती है।
3. उक्त ब्ल्यू प्रिंट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों का समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल परीक्षा के प्रश्न पत्र का ब्ल्यू प्रिंट अलग हो सकता है।

BSER
aglasem.com

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026–2027

Senior Secondary Examination, 2026-2027

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Question Paper

विषय –दर्शनशास्त्र

Sub :Philosophy

कक्षा – 12वीं

Class: 12th

कोड – 85

BSER

समय : 03 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
   Candidate must write their roll number on the question paper compulsorily.
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का अंक भार प्रश्न के सम्मुख अंकित है।
   All questions are compulsory. The marks allotted to each question are indicated against it.
3. प्रश्न पत्र में चार खण्ड हैं–अ, ब, स, द
   The question paper contains four sections – A,B, C,D
4. खण्ड 'अ' में 16 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न में चार विकल्प दिए गए है। सही विकल्प का चयन कर उत्तर, उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।
   Section A consists of 16 objective-type questions. Each multiple choice question is provided with four options. Select the correct option and write the answer in your answer sheet.
5. खण्ड 'ब' में 6 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न है, इन प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 से 30 शब्दों में ही लिखने है।
   Section 'B' consist of 6 very short questions. Answer these question in 20 to 30 words.

6. खण्ड 'स' में 8 लघूत्तरात्मक प्रश्न है, प्रश्न संख्या 28 व 30 आन्तरिक विकल्प सहित है। इनके उत्तर 30–50 शब्दों में लिखने है।
   Section 'C' consists of 8 short questions, Question number 28 & 30 consist internal choices . Answer these question in 30-50 words.
7. खण्ड 'द' में दीर्ध उत्तरीय प्रश्न है इनके उत्तर लगभग 100–150 शब्दों में लिखने है।
   Section 'D' consists of Long- answer/Essay-type questions. which must be answered in about 100 to 150 words.
8. खण्ड द में आन्तरिक विकल्प दिए गए है। प्रश्न संख्या 31 से 36 तक प्रश्न आन्तरिक विकल्प युक्त है। उत्तर के लिए किसी एक विकल्प का ही चयन करें।
   Internal choices have been provided in sections D. Question from 31 to 36 consist internal choices. Attempt only one option for each question.
9. प्रश्न संख्या 33 एवं 34 केस स्टडी पर आधारित है इनके उत्तर दी गई परिस्थिति के आधार पर ही दिए जाने है।
   Question numbers 33 and 34 are case- study based. Answer them solely on the basis of the given case.
10. प्रश्नों का उत्तर लिखते समय सही प्रश्न क्रमांक अवश्य अंकित करे।
    Candidate must write the correct question number before answering.
11. उत्तर पुस्तिका में अनावश्यक कटिंग, ओवरराइटिंग एवं अशुद्ध लेखन से बचे। पृष्ठ के दोनो ओर लिखे।
    Avoid unnecessary cutting, overwriting and illegible writing in the answer sheet. write on both sides of the page.
12. द्विभाषीय प्रश्न पत्र में प्रश्न के हिन्दी व अंग्रेजी रुपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अंतर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाएगा।
    In case of any error/difference/contradiction between the hindi and english versions of this bilingual question paper, the hindi version shall be treated as correct.

BSER

(खण्ड–अ)

Section – A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Objective type Question

1) निम्न में कौनसी विशेषता भारतीय दर्शन की नहीं है ? (1)

अ) कर्म सिद्धान्त में विश्वास
ब) आत्मा की सत्ता में विश्वास
स) अज्ञान बंधन का कारण
द) उत्सुकता से दर्शन की उत्पत्ति

Which of the following is not a characteristic of Indian Philosophy.

(a) Belief in the doctrine of karma

(b) Belief in the existence of the soul

(c) Avidya as the cause of bondage

(d) Origin of philosophy from Curiosity

2) कार्य अपनी उत्पत्ति से पूर्व कारण में अव्यक्त रूप से निहित रहता है। इस विचार को सही रूप में प्रस्तुत करने वाला सिद्धान्त है:– (1)

अ) असत्कार्यवाद ब) असतकारणवाद
स) सत्कार्यवाद द) सत–असतकार्यवाद

"The effect remains exist in its cause even before its creation" the doctrine that correctly presents this view is .

(a) Asatkaryavada (b) Asatkarnavada
(c) satkaryavada (d) Sat-asatkaryavada

3) यदि किसी के मन में पद व स्थान के आधार पर निर्धारित कर्तव्य के पालन में संशय हो तो कौनसे ग्रन्थ का अध्ययन उसका सही मार्गदर्शन करेगा ? (1)

अ) रामायण ब) नीतिशतक
स) उपनिषद् द) श्रीमद्भगवतगीता

If a person has doubts about fulfilling a duty determined on the basis of reflection on one's position, the study of which text would give them correct guidance ?

(a) Ramayana (b) Nitisataka
(c) Upanishad (d) Srimad Bhagvad Gita

BSER

4) बौद्ध दर्शन के मूल ग्रन्थ त्रिपिटक है, कौन से पिटक में दार्शनिक सिद्धान्तों का वर्णन है ?– (1)

अ) विनय पिटक ब) सुत्त पिटक

स) विनय पिटक व सुत्त पिटक द) अभिधम्म पिटक

The basic texts of buddhist philosophy are the Tripitakas, which Pitaka describes philosophical principles ?

(a) Vinay pitaka (b) Sutta pitaka

(c) Vinay pitak and sutta pitaka (d) Abhidhamma pitaka

5) एक वस्तु को कई दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है– जैन दर्शन के इस सिद्धान्त को कहा जाता है :– (1)

अ) अनेकान्तवाद ब) प्रतीत्यसमुत्पाद

स)सत्कार्यवाद द) अनात्मवाद

"An object can be seen from many perspectives." This Principle of Jain philosophy is called -

(a) Anekntavada (b) Prtitayasumutpada

(c) Satkaryavada (d) Anatmvada

6) योग दर्शन के अनुसार ''इन्द्रियों को बाह्य विषयों से हटाना'' को कहते है – (1)

अ) प्राणायाम ब) प्रत्याहार

स) धारणा द) ध्यान

According to yoga philosophy "withdrawal of the senses from external objects" is called :- ?

(a) Pranayama (b) Pratyahara

(c) Dharna (d) Dhyana

7) शंकर के अद्वैत वेदान्त के अनुसार 'माया' के सन्दर्भ में असत्य कथन है :– (1)

अ) माया ब्रह्म की स्वाभाविक शक्ति है

ब) माया अनादि और अनन्त है

स) माया की दो शक्तियाँ है– आवरण और विक्षेप

द) माया का निराकरण ज्ञान से होता है।

BSER

According to sankara's Advaita vedanta choose the false statement regarding Maya.

(a) Maya is the svabhavika sakti of Brahman

(b) Maya is beginningless and endless.

(c) Maya has two powers- Avarana and viksepa

(d) Maya is dispelled through knowledge

8) 'जपजी (जपुजी) साहिब' में सोपान हैः– (1)

अ) चार ब) दो

स) पाँच द) छः

How many steps are there in 'Japji sahib'.

(a) Four (b) Two

(c) Five (d) Six

9) ताओं धर्म के सम्बन्ध में असंगत कथन को छाँटिए– (1)

अ) ताओ प्रकृति का आधार है।

ब) ताओ स्वर्ग का आधार है।

स) ताओ का कार्य दिखाई देता है।

द) ताओ नैतिकता का आधार है।

Find the inconsistant statement regarding Tao religion.

(a) Tao is the foundation of Nature.

(b) Tao is the foundation of heaven.

(c) The action of Tao is visible.

(d) Tao is the foundation of morality.

10) भारतीय परम्परा में धर्म (कर्तव्य) का त्रिविध वर्गीकरण किया गया है, इनमें जो सभी के लिए समान धर्म (कर्तव्य) है उसे कहा गया है : (1)

अ) आपद्ध धर्म ब) वर्ण धर्म

स) सामान्य धर्म द)विशेष धर्म

In the Indian tradition there is a threefold classification of "Dharma" What is the name of Dharma (Duty) that is common to all-

BSER

(a) Aapada Dharma (b) Varana Dharma

(c) Samanya Dharma (d) Vishesh Dharma

11) हार्वे कोक्स ने इहलौकिकता की छः विशेषताएँ दी है, इस संदर्भ में गलत विशेषता को छाटिए। (1)

अ) दिव्य दृष्टि ब) लौकिक दृष्टि

स) सहिष्णुता द) गतिशीलता

Harvey Cox has outlined six characteristic of secularization Identity the incorrect characteristic in this context-

(a) Devine sight (b) Mundan sight

(c) Tolerance (d) Dynamic

12) हिन्दू धर्म में स्वीकृत पंच महायज्ञ में अन्य प्राणियों के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना कौनसा महायज्ञ है ? (1)

अ) देवयज्ञ ब) भूतयज्ञ

स) पितृयज्ञ द) ब्रह्मयज्ञ

Among the pancha mahayajna accepted in Hindu Dharma, which mahayajna refer to fulfilling one's duties towards living beings .

(a) Devayajna (b) Bhutayajna

(c) Pitryajna (d) Brahmayajna

13) जैन दर्शन में जो कर्म पुद्गल आत्मा से चिपक जाते है उनका नाश करने के लिए विभिन्न प्रकार के कष्ट सहना आवश्यक बताया गया है, उन्हे कहा जाता है :(1)

अ) कषाय ब) त्रिरत्न

स) परिषह द) समिति

In Jain philosophy various kinds of hardships are said to be necessary to endure in order to destroy the karma pudgala that cling to the soul, these are called -

(a) Kasaya (b) Triratna

(c) Parisaha (d) Samiti

BSER

14) बौद्ध धर्म एवं दर्शन के संदर्भ में गलत विकल्प को छांटिए :– (1)

अ) मध्यममार्ग ब) क्षणिकवाद

स) अनात्मवाद द) स्याद्वाद

Select the incorrect option regarding buddhist religion and philosophy.

(a) madhyamamarga (b) Ksanikavada
(c) Anatmavada (d) Syadvada

15) भारतीय परम्परा में धर्म का त्रिविध वर्गीकरण है:– (1)

अ) सामान्य, परसामान्य, अपरसामान्य
ब) धर्म, अधर्म, परधर्म
स) विहित, काम्य, निषिद्ध
द) निराकार, साकर, सर्वाकार

Three fold classification of 'Dharama' according to Indian tradition.

(a) Samanya, Parsamanya, Aparsamanya
(b) Dharma, Adharma, Pardharma
(c) Vihit , Kamya, Nishidh
(d) Nirakar, Sakar, Sarvakasr

16)1844 ई. में ईरान में एक नये धर्म का जन्म हुआ जिसका नाम है :– (1)

अ) शिन्तो धर्म ब) ताओ धर्म

स) बहाई धर्म द) शिया धर्म

In 1844 E a new religion was born in Iran named :-

(a) Shinto Religion (b) Tao Religion

(c) Bahai Religion (d) Shia Religion

BSER

खण्ड–ब
Section-B

अतिलघूरात्मक प्रश्न

Very short questions -

17) ताओं धर्म की दो विशेषताएँ समझाइए। (1+1=2)

Explain the two main characteristics of Tao religion.

18) प्लेटो की द्वन्द्वात्मक पद्धति के चार चरण कौनसे है ? (½+½+½+½=2)

What are the four steps of the dialectical method according to Plato

19) योग दर्शन के अनुसार ईश्वर प्राणिधान व तप का अर्थ बताइए। (1+1=2)
Explain Ishwar pranidhan and tapa according to yoga philosophy.

20) धर्म की परिभाषा दीजिए एवं धर्म का रिलीजन से कोई एक अन्तर बताइए। (1+1=2)
Define 'Dharma' and give one defference between Dharma and Religion.

21) हिन्दू धर्म के अनुसार जीवात्मा व परमात्मा में दो भेद स्पष्ट कीजिए। (1+1=2)
Differentiate Jivatma and Parmatma according to the Hindu religion.

22) इस्लाम धर्म व ईसाई धर्म में कोई दो अन्तर स्पष्ट कीजिए। (1+1=2)
Explain any two differences between Islam religion and Christian religion.

खण्ड–स
Section-C

लघूत्तरात्क प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 30– 50 शब्द)
Short answer type question :(Answer word limit approx 30-50 words)

23) भारतीय दर्शन के कर्म सिद्धान्त की तीन विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। (1+1+1=3)
Analyse three characteristics of the doctrine of karma of Indian philosophy.

24) वेदान्त दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रस्तुत साधन चतुष्टय की व्याख्या कीजिए एवं मोक्ष के स्वरूप को संक्षेप में बताइए। (2+1=3)
Explain the four fold means of attaining salvation according to vedanta philosophy and explain the nature of salvation in brief.

25) भगवद् गीता के भक्तियोग को स्पष्ट करें। यह अवधारणा ईश्वर साक्षात्कार के लिए कितनी महत्वपूर्ण है ? मूल्यांकन करे। (1+2=3)
Explain the Bhaktiyoga of Bhagvad Geeta. How this concept is important for the realization of god.

26) जैन दर्शन के स्यादवाद की परिभाषा दे एवं इसके सात दृष्टिकोणों की रचना कीजिए। (1+2=3)
Define sayadavada of Jain philosophy and create its seven viewpoints .

27) भारतीय अवधारणा के अनुसार धर्म का कौनसा भाग परिवर्तनशील है और कौनसा शाश्वत है ? भारत में धर्म के व्यापक एवं विविधतापूर्ण प्रयोग के समर्थन में कोई एक तर्क लिखिए। (1+1+1=3)
According to the Bhartiya concept, which part of Dharma is subject to change and which part is eternal ? Write one argument in support of the broad and diverse use of Dharma in Bharat.

28) उपनिषद दर्शन के अनुसार जीवात्मा की चार अवस्थाओं के नाम लिखिए। कौनसी अवस्था आत्मज्ञान के अनुकूल है। (2+1=3)
According to upanishadic philsophy write the names of the four stages of the individual soul. which state is conducive to self realization.

अथवा / Or

BSER

चार पुरूषार्थों के नाम लिखिए। साध्य पुरूषार्थ कौनसा है और क्यो ? समझाइए।
Write the names of the four Purusharthas. Which one is the ultimate goal (Sadhya) and why? Explain.

29) यहूदी धर्म के नीतिशास्त्र की तीन प्रमुख मान्यताओं की व्याख्या करें। (1+1+1=3)
Explain the three major beliefs of Judaism's ethics.

30) ईसाई धर्म के सम्प्रदाय कौनसे है ? उनमें भेद खोजिए। (1+2=3)
What are the denominations of christianity ? Spot the differences between them.

अथवा / Or

इस्लाम धर्म के सम्प्रदाय कौनसे है ? उनमें भेद खोजिए।
What are the denominations of Islam religion ? Spot the differences between them.

खण्ड–द
Section-D

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न
Long type questions –

31) (i) पारसी धर्म के प्रमुख ग्रन्थ का नाम लिखिए। (1)
(ii) पारसी धर्म के अनुसार ईश्वर के गुणों का वर्णन कीजिए। (1)
(iii) पारसी धर्म के अनुसार अशुभ की समस्या का समाधान किन तर्को के आधार पर किया गया ? उसे समझाइए। (2)
(i) Write the name of main holy text of the Parsi religion (Zoroastrinism)
(ii) Describe the attributes of God according to the Parsi religion.
(iii) Explain the logical grounds on which Parsi religion resolved the problem of Evil.

अथवा / Or

(i) सिख धर्म के प्रमुख ग्रन्थ का नाम लिखिए।
(ii) सिख धर्म के अनुसार ईश्वर के गुणो का वर्णन कीजिए।
(iii) सिख धर्म ने अशुभ की समस्या का समाधान किन तर्को के आधार पर किया गया। इसे समझाइए।
(i) Write the name of main holy text of the Sikh religion.
(ii) Describe the attributes of God according to the Sikh religion.
(iii) Explain the logical grounds on which Sikh religion resolved the problem of Evil.

32) बौद्ध दर्शन के चार आर्य–सत्यों की संक्षेप में व्याख्या करें। आर्य अष्टांगिक मार्ग के औचित्य का वर्णन वर्तमान जीवन के संदर्भ में करें। (2+2=4)
Briefly Explain the Four Noble Truths of Buddhist philosophy. Describe the relevance of the eight fold path with the context of modern life.

BSER

अथवा / Or

जैन दर्शन के नैतिक सिद्धान्तों की संक्षिप्त विवेचना करें। वर्तमान जीवन में पंच महाव्रतों की उपयोगिता की समीक्षा करें।

Briefly discuss the ethical principles of Jain philosophy. Examine the utility of the five great vows in modern life.

33) एक विद्यार्थी ने पूरे वर्ष अच्छे से पढाई की परन्तु बोर्ड परीक्षा के टाइम टेबल आने पर विद्यार्थी के मन में बार–बार असफल होने का डर रहता था उसका भोजन एवं नींद बुरी तरह से प्रभावित हो रही थी। उसके दादाजी ने उसे महाभारत से सम्बन्धित उपनिषद दर्शन के एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ के बारे में बताया तथा फल की चिन्ता न करके कर्म पर ध्यान देने को कहा ? (1+1+1+1=4)

(अ) दादाजी ने किस ग्रन्थ की बात कही ?
(ब) यह ग्रन्थ किसके मध्य संवाद पर आधारित है ?
(स) परिणाम की बार–बार चिन्ता करने से क्या होता है ?
(द) कर्म को करने का सही तरीका क्या है ?

A student studied well throughout the entire year, but when the board time – table was announnced, the student was constanly gripped by the fear of failure. His food and sleep were badly affected. His grandfather told him about an important text of upanishadic philosophy related to the mahabarat and advised him to focus on his actions rather the worrying about the results .

(A) Which scripture did his grandfather talk about ?
(B) Between whom is the dialogue in this scripture based ?
(C) What happens when one constantly worries about the results ?
(D) What is the right way to perform one's actions ?

अथवा / Or

एक जिज्ञासु विद्यार्थी हमेशा इस खोज में रहता था कि हम सब किस चीज से बने है। उसने विज्ञान के विकासवाद तथा धर्म के सृष्टिवाद सिद्धान्तों का भी अध्ययन किया परन्तु वह सन्तुष्ट नहीं हुआ। उसके दर्शन के अध्यापक ने उसे तैतरीयोपनिषद की पंच कोश की धारणा के बारे में समझाया जिससे उसे सन्तुष्टि प्राप्त हुई।

(अ) तैतरीयोपनिषद के अनुसार ब्रहम क्या है ?
(ब) तैतरीयोपनिषद में किसके मध्य संवाद है ?
(स) मनोमय कोष पर ध्यान क्यो देना चाहिए।
(द) सबसे सर्वोच्च कोष तक कैसे पहुँच सकते है ?

A Curious student was always searching for what we all are made of. He also studied the concepts of scientific evloution and religion creationism but he was not satisfied. His philosphy teacher explain to him the concept of the five sheaths (Panah kosha) from the taittiriya upanishad. Which statisfied him.

(A) According to taittiriya upanishad what is Brahman ?
(B) Between whom is the dialogue in this scripture based.
(C) Why should one focus on the manomaya kosha.
(D) How can one reach to the highest sheath ?

BSER

34) एक युवक समाज में व्याप्त गरीबी और भेदभाव देखकर निराश था। सन्यास लेने का निर्णय किया। विवेकानन्द के विचारों से प्रेरित शिक्षक ने समझाया कि सच्चा वेदान्त दीन–दुखियों की सेवा में है। जीव ही शिव है' इस प्रेरणा से युवक ने समाज सेवा का मार्ग अपनाया। (2+2=4)

(i) सेवा एवं अध्यात्म में सम्बध स्पष्ट कीजिए।

(ii) वेदान्त को व्यवहार में लाने के उपाय कीजिए।

A young man, disheartened by the poverty and discrimination prevalent in society decided to take up sannyasa. Inspired by vivekananda's teachings, his teacher explained that true Vedanta lies in serving the poor and the needy. The soul itself is shiva. Inspired by this inspiration,the young man chose the path of social service.

(i) Explain the relationship between service and spirituality.

(ii) Find ways to put Vedanta into practice.

अथवा / Or

एक विद्वान वर्षों से अहं–ब्रह्मस्मि के सिद्धान्त का प्रवचन देता था, किन्तु समाज की दरिद्रता के प्रति उदासीन रहता था। एक निर्लिप्त संन्यासी ने समझाया कि प्रत्येक जीव में उसी ब्रह्म का दर्शन कर उसकी सच्ची सेवा करना ही वास्ताविक वेदान्त है।

(i) अद्वैत वेदान्त का व्यावहारिक सेवा से सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'अहं ब्रह्मस्मि' का सामाजिक जीवन की दृष्टि से निहितार्थ स्पष्ट करें।

A scholar had been preaching the doctrine of "Aham brahmasmi" For years yet he remained indifferent to society's poverty. A detached ascetic explained that true Vedanta consisted in seeing this brahma in every living being and serving him sincerely.

(i) Explain the relationship between advaita Vedanta and practical service.

(ii) Explain the implications of "Aham Brahmashmi" from the perspective of social life.

35) धार्मिक सहिष्णुता को परिभाषित करें। धार्मिक असहिष्णुता के कारणों की समीक्षा करें। इसके निराकरण के उपाय खोजिए। (2+2+2=6)

Define religious tolerance. Examine the causes of religious intolerance. Explore solutions to eliminate it.

अथवा / Or

सर्वधर्म समभाव को परिभाषित करें। धार्मिक सहिष्णुता व सर्वधर्म समभाव की तुलना करें। सर्वधर्म समभाव को बनाए रखने के लिए उपाय खोजिए।

Define equality among all religion.Compare religious tolerance and equality among all religions. Find solutions for maintaining equality among all religions.

36) सोफिस्ट दार्शनिको से सुकरात का मत भिन्न क्यों है ?दार्शनिक समस्या के निराकरण में वार्तालाप क्यों आवश्यक है? तर्कों सहित उत्तर दीजिए। दार्शनिक पद्धति के भिन्न पक्षों को सहयोग एवं समन्वय की दृष्टि से समझाइए। (1+3+1+1=6)

BSER

Explain how socrates' view is different from that of the sophists philosophers ? Explain with arguments that dialogue is essential for solving philosophical problems. Explain the different aspects of philosophical method from the perspective of cooperation and coordination.

अथवा / Or

प्लेटो के अनुसार ज्ञान, मत से भिन्न क्यों है ? 'प्रत्यक्ष परस्पर विरोधी ज्ञान उत्पन्न करता है।' इसे तर्कों सहित समझाइए। ज्ञान के भिन्न प्रकारों के मध्य क्या कोई सहयोग है इन्हे जीवन को समझने की दृष्टि से स्पष्ट कीजिए।

According to Plato, why are knowledge and opinion different ? Explain with arguments that 'perception generates contradictory knowledge'. Is there any cooperation between Plato's types of knowledge ? Explain this from the perspective of understanding life.

BSER

माध्यमिक परीक्षा, 2026–2027

Senior Secondary Examination, 2026-2027

उत्तर कुंजी

Answer Sheet

विषय –दर्शन शास्त्र

Sub :Philosophy

कक्षा–12

Class :12Th

कोड– 85

Code : 85

BSER

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	मूल्यांकन मापदण्ड (रूब्रिक्स)	पाठ्य पुस्तक की पृष्ठ संख्या
	खण्ड – अ		
1.	(द) उत्सुकता से दर्शन की उत्पत्ति	1	02
2.	(अ) सत्कार्यवाद	1	06
3.	(द) श्रीमदभगवद् गीता	1	13
4.	(द) अभिधम्म पिटक	1	23
5.	(अ) अनेकान्तवाद	1	26
6.	(ब) प्रत्याहार	1	32
7.	(ब) माया अनादि और अनन्त	1	34,35
8.	(स) पांच	1	93
9.	(स) ताओ का कार्य दिखाइ देता है।	1	95
10.	(स) सामान्य धर्म	1	58
11.	(अ) दिव्य दृष्टि	1	60
12.	(ब) भूतयज्ञ	1	69
13.	(स) परिषह	1	72
14.	(द) स्यादवाद	1	77
15.	(स) विहित, काम्य, निषिद्ध	1	58
16.	(स) बहाई धर्म	1	104

	अति लघूत्तरात्मक प्रश्न		
17.	अध्याय –9, ताओ धर्म पंथ– विशेषताएँ	1+1=2	94,95
18.	अध्याय –5, प्लेटो–द्वन्दात्मक पद्धति के चार चरण	½+½+½+½+=2	49
19	अध्याय–4,योग दर्शन–ईश्वर प्राणिधान, तत्व	1+1=2	32
20.	अध्याय–6, धर्म की भारतीय अवधारणा धर्म व रिलीजन	1+1=2	57,58,59
21.	अध्याय–7,हिन्दू धर्म–जीवात्मा, परमात्मा	1+1=2	66
22	अध्याय –8, इस्लाम व इसाई धर्म	1+1=2	86
	लघूत्तरात्मक प्रश्न		
23.	अध्याय – 1, कर्म सिद्धान्त	1+1+1= 3	3
24.	अध्याय – 1, साधन चतुष्टय, मोक्ष	2+1= 3	5
25	अध्याय – 2,भक्तियोग,ईश्वर साक्षत्कार	1+2= 3	20,21
26	अध्याय – 3, स्याद्वाद, सात प्रकार	1+2= 3	25,26
27	अध्याय – 6, धर्म का अर्थ एवं स्वरुप	1+1+1= 3	57,58
28	अध्याय – 7, जीवात्मा की अवस्थाएं, तुरीया अवस्था अथवा चार पुरूषार्थ, मोक्ष	2+1= 3	66 67,68
29	अध्याय – 8, यदूही धर्म नीतिशास्त्र	1+1+1= 3	80,81
30	अध्याय – 8, इसाई धर्म सम्प्रदाय भेद अथवा इस्लाम धर्म सम्प्रदाय भेद	1+2= 3	83, 85
	खण्ड – द		

BSER

31	अध्याय – 9, पारसी धर्म अथवा सिख धर्म	1+1+2= 4	89,90 92,93
32	अध्याय – 3, बौद्ध दर्शन अथवा जैन दर्शन	2+2= 4	23,24 27,28,29
33	अध्याय – 2, भगवद्गीता अथवा उपनिषद–पंच कोश	1+1+1+1= 4	18 14,15
34.	अध्याय – 4 वेदान्त स्वामी विवेकानन्द अथवा बहुत्व में एकत्व की अनुभूति	2+2= 4	36,37 39
35.	अध्याय–10 सहिष्णुता, असहिष्णुता–कारण अथवा सर्वधर्म समभाव	2+2+2= 6	98,99,100 98,99,100
36.	अध्याय – 5 सुकरात अथवा प्लेटा	1+3+1+1= 6	46,47,48 48,49,50
	योग	80	

BSER